समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

ममता बनर्जी के 'बंगाली बनाम बाहरी' बयान पर भाजपा का हमला, क्रिकेटर युसुफ पठान भी आए चर्चा मे ं

Sanket Morankar Published on 11 Sep 2025

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर '**बंगाली बनाम बाहरी**' बहस से गरमा गई है। मुख्यमंत्री **ममता बनर्जी** के हालिया बयान को लेकर भाजपा ने उन पर तीखा हमला बोला है। इस बीच **टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर युसुफ पठान** का नाम भी इस बहस में चर्चा का विषय बन गया है।

🔍 ममता बनर्जी का बयान

हाल ही में ममता बनर्जी ने कहा था कि "**बंगाल का नेतृत्व बंगालियों के हाथ मे हीं रहना चाहिए।**"
उनका इशारा भाजपा की उस रणनीति की ओर था, जिसमें बाहरी नेताओं को बंगाल की राजनीति में आगे लाने की कोशिश की जाती है।

🔍 भाजपा का पलटवार

- भाजपा नेताओं ने ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि **टीएमसी खुद बाहरी नेताओं को बंगाल से चुनाव लड़ाती है।**
- उदाहरण के तौर पर उन्होंने **युसुफ पठान** का जिक्र किया, जो गुजरात से हैं लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में बंगाल से सांसद बने।
- भाजपा ने आरोप लगाया कि ममता का बयान पूरी तरह **दोहरे मानदंड (Double Standard)** को दर्शाता है।

🔍 युसुफ पठान की स्थिति

- युसुफ पठान को 2024 के चुनावों में बंगाल की जनता का भरपूर समर्थन मिला था।
- टीएमसी नेताओं का कहना है कि बंगाल की जनता ने उन्हें स्वीकार किया, इसलिए उन्हें 'बाहरी' कहना गलत है।
- राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा का यह हमला सीधे तौर पर बंगाल की **पहचान की राजनीति** को केंद्र में लाने की रणनीति है।

? विशेषज्ञों की राय

- विश्लेषकों का मानना है कि 'बंगाली बनाम बाहरी' मुद्दा 2026 के विधानसभा चुनावों में भी एक बड़ा कारक साबित हो सकता है।
- भाजपा इसे टीएमसी की **विरोधाभासी राजनीति** बताकर जनता तक ले जाना चाहती है।
- वहीं, ममता बनर्जी इसे "**बंगाल की अस्मिता**" से जोड़कर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं।

ममता बनर्जी के बयान और भाजपा के हमले ने बंगाल की राजनीति को एक बार फिर **पहचान और क्षेत्रवाद की बहस** में झोंक दिया है। इस बहस में युसुफ पठान का नाम सामने आने से राजनीतिक तकरार और गहरा गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.